भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

डा. अतर सिंह
निदेशक

दि.: 26–08–2021

'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत 'किसानों के लिये भोजन और पोषण' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

दि. 26 अगस्त 2021 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के द्वारा भारत की स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष पर मनाये जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के अन्तर्गत 'किसानों के लिये भोजन और पोषण' पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने भो कार्यक्रम में आनलाइन प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी ने कहा कि हमारा देश स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी की संकल्पना के अनुरूप हम लोग इसे आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं जिसके अन्तर्गत भाकृअनुप के माध्यम से किसानों के हित के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, इसके अन्तर्गत आज का कार्यक्रम जो कि 'किसानों के लिये भोजन और पोषण' विषय पर मनाया जा रहा है। इन कार्यक्रमों से अनेक निष्कर्ष आयेंगे जो किसानों के हित में होंगे। कार्यक्रमों की पूरी योजना बन चुकी है एवं प्रकाशन भी आ चुका है इसके लिये महानिदेशक महोदय को बधाई। किसान बन्धुओं का भी इन कार्यक्रमों से जुड़ना काफी आवश्यक हैं क्योंकि इससे उन्हों महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है अर्थात् यहां कृषि की प्रधानता है, आदरणीय प्रधानमंत्री जी भी कृषि के क्षेत्र पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। किसानों के हित में अनेक योजनायें चल रही हैं जिनमें एफपीओ प्रमुख है। कृषि एवं किसान नवीन तकनीकी से जुड़ते रहें ऐसा हमारा प्रयास है। इसके लिये भाकृअनुप, कृषि विवि., केवीके वैज्ञानिक निरन्तर कार्यरत हैं। गांव के समृद्ध होने से ही देश आत्मनिर्भर हो सकेगा। कृषि के विभिन्न उत्पादों के उत्पादन में भारत विश्व में प्रथम अथवा द्वितीय स्थान पर मिलेगा, यह किसानों और वैज्ञानिकों के प्रयासों से ही संभव हो पाया है।

माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने कहा कि कुपोषण को दूर करना भारत सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। हमारे देश में खाद्यान्न की कोई कमी नहीं है फिर भी कुपोषण की समस्या सही सही अनुपात में पोषक तत्व न मिल पाने की

वजह से है। इसकी को देखते हुए भारत सरकार द्वारा कुपोषण दूर करने का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एफपीओ के अन्तर्गत किसान अपनी आय बढ़ाने में सक्षम हो रहे हैं।

डा. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप नई दिल्ली ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी माननीय अतिथिगणों का स्वागत किया और कहा कि माननीय मंत्री जी के निर्देश के अनुसार हम 'आजादी का अमृत महोत्सव' का आयोजन कर रहे हैं जिसे 75 सप्ताह तक मनाया जायेगा। इसके अन्तर्गत प्रत्येक सप्ताह किसानों के हित के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रमों की पूरी योजना बना ली गई है एवं उसका प्रकाशन भी किया जा रहा है। भाकृअनुप कुपोषण को दूर करने की दिशा में काफी कार्य कर रहे हैं जिसमें बायो फोर्टिफाइड प्रजातियाँ, पोषणथाली, न्यूट्रीगार्डन आदि प्रमुख हैं। सरकार के निर्देशानुसार वर्ष 2023 को पोषण का राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया जाना है। आज के इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भी करीब पूरे देश में 30 से 35 हजार किसान कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े हैं।

डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) ने बताया कि 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत प्रति सप्ताह एक कैम्पेन हो रही है। कुपोषण को दूर करने के लिये निरन्तर शोध और उनका क्रियान्वयन हो रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने में भी सफलता प्राप्त हो रही है। भारत की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 75000 किसानों की आय दोगुनी करने की सफलता की कहानियाँ प्रकाशित होने जा रही हैं।

कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालयों के माननीय कुलपतिगण, निदेशक प्रसारगण, भाकृअनुप के समस्त सहायक महानिदेशक, भाकृअनुप संस्थानों के समस्त निदेशक, वैज्ञानिकगण, कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक एवं केवीके के माध्यम से किसान भी कार्यक्रम में जुड़े।

अन्त में सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) महोदय ने कार्यक्रम उपस्थित सभी माननीय प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन किया।

ICT Unit, ICAR
Host
Shri Narendra Singh Tomar
Anil Verma
Cohost
Bhojpur KVK
ICAR KVK YADGIR

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान
संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application
Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI
ISO 9001:2015